जनता कॉलेज बकेवर में मानव श्रखला बनाकर अतिथि व्याख्यान के साथ मनाया गया गीता जयंती महोत्सव।

बकेवर, इटावा 3 नवंबर। मानव जीवन के नित्य प्रतिदिन के क्रिया कलापों में गीता का अध्ययन मानव मात्र को प्रत्येक जीवन संघर्ष में विजेता बनता है ,उक्त उदगार गीता जयंती महोत्सव श्रखला में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में संस्कृत विचार सभा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री महेश चंद्र तिवारी ने जनता कॉलेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में मुख्य अतिथि वक्ता उदबोधन में बोलते हुए कहा कि गीता अध्ययन और अनुकरण सुखी लोक जीवन का आधार है। छात्र जीवन में प्रबंधन की सीख देने वाला गीता सबसे बड़ा महाकाव्य है

गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने अपने उदबोधन में कहा कि दैनिक जीवन में गीता का अध्ययन हमारी दैनिक चर्या को व्यवस्थित कर आचरण तथा विचारों को परिपक्व और अनुकरणीय बनाता है ,युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद से लेकर पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्व पल्ली राधाकृष्णन एवं डॉ अब्दुल कलाम भी इस बात का अप्रतिम उदाहरण रहे है , डॉ गोपीनाथ मौर्या, श्री कुलदीप अवस्थी , श्री शिव मोहन अग्निहोत्री आदि सहित छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। गीता जयंती महोत्सव के आयोजन के क्रम में जनता कॉलेज बकेवर परिवार के छात्र-छात्राओं द्वारा बैनर - पोस्टर के साथ मानव श्रृंखला निर्मित कर पद यात्रा की गयी। छात्र - छात्राओं सहित कॉलेज परिवार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्री अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया। डॉ अशोक कुमार पांडेय, डॉ योगेश शुक्ला, डॉ दिव्य ज्योति मिश्रा, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ मनोज यादव, डॉ ज्योति भदौरिया, अरविंद चौधरी , पवन कुमार सक्सेना , देवेश चतुर्वेदी, राजेंद्र बाबू पांडेय , डॉ अत्रि गुप्ता ,नूरुल हसन,श्री आकाश चौधरी आदि की उपस्थिति एवं सहयोग रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित किया गया |

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश चन्द्र तिवारी, सेवा निवृत्त प्राचार्य, संस्कृत विचार सभा महाविद्यालय को स्मृति चिन्ह कालेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी व सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा दिया गया

लोक जीवन के प्रबंधन का सर्वश्रेष्ठ आदिग्रंथ गीता, गीता का अध्ययन और अनुकरण मानव जीवन का आधार

बकेवर, ४ नवंबर (निप्र)। मानव जीवन के नित्य प्रतिदिन के क्रिया कलापों में गीता का अध्ययन मानव मात्र को प्रत्येक जीवन संघर्ष में विजेता बनाता है, उक्त उदगार गीता जयंती महोत्सव श्रखला में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में संस्कृत विचार सभा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री महेश चंद्र तिवारी ने जनता क लेज बकेवर के संगोष्ठी सभागार में मुख्य अतिथि वक्ता उदबोधन में बोलते हुए कहा कि गीता अध्ययन और अनुकरण सुखी लोक जीवन का आधार है। छात्र जीवन में प्रबंधन की सीख देने वाला गीता सबसे बड़ा महाकाव्य है।

गीता जयंती महोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डा राजेश किशोर त्रिपाठी ने अपने उदबोधन में कहा कि दैनिक जीवन में गीता का अध्ययन हमारी दैनिक चर्या को व्यवस्थित कर आचरण तथा विचारों को परिपक्व और अनुकरणीय बनाता है, युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद से लेकर पूर्व राष्ट्रपति ड सर्व पल्ली राधों ष्णन एवं ड अब्दुल कलाम भी इस बात का अप्रतिम उदाहरण रहे है , ड गोपीनाथ मौर्या, श्री कुलदीप अवस्थी, श्री शिव मोहन अग्निहोत्री आदि सहित छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। गीता जयंती महोत्सव के आयोजन के क्रम में जनता क लेज बकेवर परिवार के छात्र-छात्राओं द्वारा बैनर - पोस्टर के साथ मानव श्रृंखला निर्मित कर पद यात्रा की गयी। छात्र - छात्राओं सहित क लेज परिवार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्री अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया। डा अशोक कुमार पांडेय, डा योगेश शुक्ला, डा दिव्य ज्योति मिश्रा, डा प्रकाश दुबे, डा मनोज यादव, डा ज्योति भदौरिया, अरविंद चौधरी, पवन कुमार सक्सेना, देवेश चतुर्वेदी, राजेंद्र बाबू पांडेय, डा अत्रि गुप्ता, अजीत अग्निहोत्री, अविनाश तिवारी, नूरुल हसन, श्री आकाश चौधरी आदि की उपस्थिति एवं सहयोग रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी ड दिव्य ज्योति मिश्र द्वारा कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।